सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 251 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 अक्टूबर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

मांगना मरने के बराबर है, इसलिए किसी से भीख मत मांगो। सतगुरू कहते हैं कि मांगने से मर जाना बेहतर है, अर्थात पुरुषार्थ से स्वयं चीजों को प्राप्त करो, उसे किसी से मांगो मत।

–कबीर दास

मल्लिकार्जुन खड़गे 26 को संभालेंगे कांग्रेस... 7

यम देव की पूजा और उनके नाम से... 5

पटाखों पर प्रतिबंध मामले में सुनवाई... 2

डबल इंजन की सरकार ने जीता जनता का विश्वास : डिप्टी सीएम

» सरकार की प्राथमिकताओं वाले कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने औरेया में पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात करने के बाद कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं वाले कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने जनता का विश्वास जीता है और प्रत्येक व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। कहा कि मोदी योगी की डबल इंजन की सरकार ने देश व प्रदेश में जनता को लाभान्वित किया है।

केंद्र व राज्य सरकार ने जीरो टॉलरेंस मैं कार्य कर सूबे में विकास को बढ़ाया है। आज यूपी में जनता का विश्वास भाजपा ने जीता है। उन्होंने कहा कि भू माफियाओं और गुंडों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद उन्होंने तुर्की पुर गांव में चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं को सुना। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर लुप्त हो चुकी नदियों को पुर्नजीवित करने का अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेन्स नीति के तहत कार्य कर रही है।

भ्रष्टाचारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जा रहा है। सरकार शिक्षा, विद्युत, आवास, पेयजल, सडक, चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में सुधार के लिये निरंतर प्रयासरत है।

दुग्ध व गेहूं उत्पादन में प्रदेश नंबर वन : ब्रजेश पाठक

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने देवरिया में कहा कि कृषि के क्षेत्र में प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। उत्पादन लागत कम हुई है। सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। दुग्ध उत्पादन एवं गेहूं उत्पादन में प्रदेश नंबर वन है। किसानों को समय से गन्ना मूल्य का भुगतान प्राप्त हो रहा है। आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज पथरदेवा में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का कार्यकाल मील का पत्थर साबित हो रहा है। इनके कार्यकाल में प्रदेश ने कई उपलब्धियां प्राप्त की है। उन्होंने देवरिया में स्वास्थ्य स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए हर संभव सहयोग हेतु आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद के सीएचसी पीएचसी तथा मेडिकल कॉलेज के नियंत्रणाधीन चलने वाले जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनपद देवरिया का नया बस अड्डा एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक बनाया जाएगा।

बुखार पीड़ितों के लिए फीवर डेस्क सक्रिय रखने के निर्देश

बृजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश के सभी अस्पतालों में फीवर डेस्क सक्रिय रहेगी। बुखार के मरीजों की स्क्रीनिंग की जाएगी। फिर उनकी जांच कराई जाएगी। बृजेश पाठक ने बुखार पीड़ितों को अलग से इलाज मुहैया कराया जाए। इसमें डॉक्टर की सलाह से लेकर दवा तक की सुविधा सुनिश्चित की जाए। क्योंकि इन दिनों कई जिलों में वायरल समेत अलग- अलग वजह से बुखार के मरीज बढ़ गए हैं। इनकी निगरानी की जाए। यह भी सुनिश्चित की जाए कि बुखार के मरीजों का आसानी से पंजीकरण हो सके। हेल्प डेस्क पर मरीज के शरीर के तापमान की जांच हो। लक्षणों के आधार पर मरीजों की पैथोलॉजी जांच कराई जाए।

जनसंख्या नियंत्रण नीति पर हुई भागवत योगी की मुलाकात

» करीब एक घंटे तक हुई दोनों की अहम बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। मुलाकात के संबंध में बताया गया कि जनसंख्या नियंत्रण नीति पर चर्चा हुई। अयोध्या में भव्य दीप उत्सव की तैयारी के संबंध में मोहन भागवत को औपचारिक रूप से सीएम योगी ने निमंत्रण दिया।

सूत्रों ने बताया सघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच जनसंख्या नियंत्रण नीति पर विस्तार से चर्चा हुई। इसको रोकने के लिए कानून बनाने और इसे सख्ती से लागू करने पर वार्ता हुई। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की आगामी नीति मे संघ के इस एजेंडे की झलक देखी जा जा सकती है। बताया गया कि संघ प्रमुख मोहन भागवत और योगी आदित्यनाथ ने एक साथ दोपहर का भोजन भी किया। इस दौरान संघ के बड़े पदाधिकरियों के अलावा सह संघ कार्यवाह दत्तात्रेय होसबले भी मौजूद रहे। सीएम योगी का हेलीकॉप्टर सीधे संघ के कार्यक्रम स्थल जयपुरिया स्कूल वात्सल्य परिसर गौहनिया पहुंचा। इस दौरान चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया था। स्कूल से 500 मीटर दूर ही सबको रोक दिया गया था। आरएएफ और स्थानीय पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी।

रीता बहुगुणा जोशी समेत पांच के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने के एक मामले में एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने रीता बहुगुणा जोशी समेत पांच के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। गुरुवार को भी इस मामले का एक गवाह अदालत में मौजूद था। अभियुक्तों की ओर से गवाह से जिरह होनी थी लेकिन उनकी ओर से हाजिरी माफी की अर्जी दी गई।

अदालत ने इसे खारिज कर दिया। विशेष एसीजेएम अंबरीष कुमार श्रीवास्तव ने अब इस मामले की अगली सुनवाई के लिए दो नवंबर की तारीख तय की है। इस मामले में रीता बहुगुणा जोशी के अलावा प्रभा श्रीवास्तव, राम सिंह यादव, संजय यादव व मनोज चौरसिया के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 के तहत आरोप पत्र दाखिल हुआ था। 17 फरवरी, 2012 को इस मामले की रिपोर्ट सर्विलांस टीम के स्टैटिक मजिस्ट्रेट मुकेश कुमार ने थाना कृष्णानगर में दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक कांग्रेस प्रत्याशी रीता बहुगुणा जोशी प्रचार का समय समाप्त होने के बाद भी बजरंगनगर में जनसभा कर रही थी। रीता बहुगुणा जोशी पर आरोप है कि वर्ष 2012 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में लोकसभा चुनाव के प्रचार का समय समाप्त होने के बाद चुनाव प्रचार कर आचार संहिता का उल्लंघन कर रही थीं।

साथ मिलकर काम करेंगे आईआईटी व डीआरडीओ के वैज्ञानिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। डिफेंस सेक्टर में अब आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक डीआरडीओ के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम करेंगे। देश को रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए दोनों संस्थान मिलकर तकनीक विकसित करेंगे। इसको लेकर गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर और डीआरडीओ के अधिकारी के बीच एमओयू हुआ। गुजरात के गांधी नगर में चल रहे डिफेंस एक्सपो में देश के विभिन्न रक्षा संस्थानों, इकाइयों के साथ आईआईटी के विशेषज्ञों ने अपनी तकनीक का प्रदर्शन किया है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इंडस्ट्री व एकेडमिक सेंटर को मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया।

दिल्ली को आत्मनिर्भर बनाएं 'आप' निर्भर नहीं : शाह

» गृहमंत्री अमित शाह का केजरीवाल सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर बड़ा हमला करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली के तीनों नगर निकायों से सौतेला व्यवहार करती है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों से आगामी निकाय चुनाव में राष्ट्रीय राजधानी को आपनिर्भर बनाने की बजाय आत्मनिर्भर बनाने के लिए कहा।

अमित शाह ने दिल्ली सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली को आपनिर्भर बनाना चाहती है जबकि भारतीय जनता पार्टी उसे आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। ओखला तेहखंड में एमसीडी द्वारा तैयार 25 मेगावाट क्षमता के बिजली संयंत्र का गुरुवार को गृहमंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संयंत्र प्रतिदिन लगभग 2000 मीट्रिक टन कचरे का प्रबंधन करेगा, इसके साथ ही इस संयंत्र द्वारा 25 मेगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने इसे बहुआयामी, बहुउद्देश्यीय संयंत्र बताया। इस संयंत्र के संचालित होने से दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र के सारे सूखे कचरे की खपत यहीं पर हो जाएगी।

पटाखों पर प्रतिबंध मामले में सुनवाई से हाईकोर्ट का इनकार

» अदालत ने कहा- सुप्रीम कोर्ट में लंबित है केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पटाखों पर 1 जनवरी 2023 तक पूर्ण प्रतिबंध के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा है कि क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए बेंच के लिए इस पर अभी सुनवाई करना उचित नहीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 'प्रदूषण पर नियंत्रण करने के लिए' सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के दिल्ली सरकार के आदेश के खिलाफ भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सांसद ने तर्क दिया कि जीवन के अधिकार का बहाना देते हुए धार्मिक स्वतंत्रता को नहीं छीना जा सकता। उन्होंने कोर्ट से दिल्ली सरकार को स्वीकृत पटाखों की बिक्री, खरीद और उपयोग के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी करने का आदेश देने की मांग की है। पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण और फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की गई है।

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 251 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 अक्टूबर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

कभी-कभी लोग कुछ कह कर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं, और कभी-कभी लोग चुप रहकर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं।
-दलाई लामा

भारत जोड़ो यात्रा में रहेगा तीन दिन... 8 | सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट में परीक्षा से... 7 | इंदिरा गांधी के बाद अब नटी बिनोदिनी... 6

हमारी सरकार ने अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई : सीएम योगी

फोटो: सुमित कुमार

» पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम ने दी सौगात, पुलिसकर्मियों को मिलेगा मोटर साइकिल भत्ता

» डीजीपी पांच लाख रुपए तक मेडिकल भत्ता देने के लिए अधिकृत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी में पुलिस लाइन्स मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शहीद पुलिसकर्मियों को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अपराध तथा अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। प्रदेश में शातिर अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसा गया है।

इसमें पुलिसकर्मियों की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि हम भी उनकी काफी मांग को पूरा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण करने, कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने, शांति-सौहार्द स्थापित करने, विशेषकर मातृशक्ति की सुरक्षा में अपनी सराहनीय भूमिका निभाई है। इस दौरान सीएम योगी ने पुलिस स्मृतिका पर पुष्पांजलि के बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस को देश का सर्वोत्तम बल बताते हुए उनके लिए कुछ घोषणाएं भी कीं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक देवेंद्र सिंह चौहान तथा प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहीद सैनिक गणेश यादव की शहादत को नमन करते हुए उनके आश्रित को सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग में सेवायोजित करने का निर्णय लिया है।

हमारे पास सबसे बड़ा पुलिस बल

पुलिस स्मृति दिवस परेड समारोह में सीएम योगी ने कहा कि हमारे पास दुनिया के किसी भी राज्य का सबसे बड़ा पुलिस बल है। उत्तर प्रदेश पुलिस का शहादत का गौरवशाली इतिहास है। कर्तव्य पथ पर अपनी जान की कुर्बानी देने वाले वीर जवानों और अधिकारियों को हम सब श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। संकट में फंसे लोग आज भी सबसे पहले किसी को याद करते हैं तो वो नाम पुलिस है।

पुलिसकर्मियों के लिए ये की घोषणाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस कर्मियों का मोटर साइकिल भत्ता बढ़ाने की घोषणा की। सीएम योगी ने कहा कि सभी पुलिसकर्मियों को प्रति माह अब 500 रुपए मोटर साइकिल भत्ता मिलेगा। पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों के 200 रुपये साइकिल भत्ते को बढ़ाकर 500 रुपये मोटरसाइकिल भत्ता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बीते वर्ष सात बलिदानी पुलिसकर्मियों को नमन करने के साथ उनके स्वजन से भेंट की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन सभी को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि सभी पुलिसकर्मियों को को ई-पेंशन से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। साथ ही इन सभी के मेडिकल भत्ते के लिए डीजीपी को अधिकृत किया गया है। पुलिस महानिदेशक पांच लाख रुपया तक मेडिकल भत्ता देने के लिए अब अधिकृत हैं। अब पुलिसकर्मियों के पांच लाख रुपये तक के मेडिकल भत्ते की स्वीकृति का अधिकार डीजीपी को दिया गया।

अरुणाचल में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

» 5 अक्टूबर को भी हुआ था एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में तूतिंग मुख्यालय के पास आर्मी का हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। राहत और बचाव के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये हादसा ऊपरी सियांग जिले में तूतिंग मुख्यालय से 25 किलोमीटर दूर सिंगिंग गांव के पास हुआ है। हादसा शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजकर 40 मिनट पर हुआ है।

ऊपरी सियांग जिले में आर्मी का एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एसपी जुम्मर बसर ने कहा कि जिस जगह हादसा हुआ है वो जगह सड़क मार्ग से जुड़ी नहीं है। बचाव के लिए रेस्क्यू टीम फौरन भेजी गई। गौरतलब है कि इससे पहले 5 अक्टूबर को ही चीता हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया था।

उत्तराखंड में मोदी, हिमाचल तक अहसास

» हिमाचल की पोशाक चोला डोरा पहनकर पहुंचे बाबा केदारनाथ के किए दर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के दौरे पर हैं लेकिन उनका अहसास हिमाचल तक पहुंचा हैं। खास बात यह है कि कुछ समय बाद हिमाचल में चुनाव होने हैं और ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तराखंड दौरे से हिमाचल को जोड़ने की पूरी कोशिश की है।

प्रधानमंत्री मोदी हर बार अपनी पोशाक से लोगों का ध्यान खींचते हैं। और इस बार भी ऐसा ही हुआ है। पीएम मोदी जिस पोशाक को पहनकर उत्तराखंड पहुंचे हैं, उसका संबंध हिमाचल से है। उत्तराखंड के जौनसार क्षेत्र और हिमाचल का ये क्षेत्र है। पीएम मोदी ने जो पोशाक पहनी है उसे हिमाचल और जौनसार का खास परिधान चोला डोरा कहते हैं। बताया जा रहा है कि ये पोशाक उन्हें हिमाचल की एक महिला ने तोहफे में दी थी। पीएम मोदी शारीरिक रूप से भले ही उत्तराखंड में थे, लेकिन भावनात्मक रूप से उन्होंने हिमाचल को भी जोड़ा। इस पोशाक के जरिए उन्होंने अपने आने का अहसास हिमाचल तक कर दिया। ऐसा दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री इस पारंपरिक पोशाक में उत्तराखंड आए हैं। इसे हिमाचल और जौनसार का खास परिधान चोला डोरा कहते हैं। पीएम मोदी अब बद्रीनाथ दौरे पर निकल चुके हैं। वे वहां चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण के साथ कुछ नई परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कांग्रेस को नई राह दिखाएंगे खड़गे

खड़गे पार्टी के पहले गैर-गांधी अध्यक्ष हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उन्हें अपने वरिष्ठ सहयोगियों, खास तौर पर जी-3 (गांधी परिवार) के वफादार और जी-23 नेताओं के भी सहयोग की जरूरत पड़ेगी। खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें अपेक्षाकृत युवा और करिश्माई नेता शशि थरूर के समर्थकों के साथ भी सामंजस्य बिठाना पड़ेगा। अब नए पार्टी अध्यक्ष पर संगठनात्मक सुधारों के नाम पर निजी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के इरादे वाले नेताओं का दबाव होगा। उदाहरण के लिए, 2020 में सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले जी-23 के कई हस्ताक्षरकर्ता यथास्थिति बनाए रखने या ताकत में अपना हिस्सा लेकर मान गए थे। साल 1967 और 1969 में भी कई जगह चुनावी हार के बाद युवा तुर्क उपनाम से पहचाने जाने वाले नेताओं का एक समूह बन गया था। अगर हम कुछ नाम लेना चाहें, तो उनमें चंद्रशेखर, मोहन धारिया, कृष्णकांत और चंद्रजीत यादव इत्यादि प्रमुख थे। वे कुछ राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के लिए अपने साझा नजरिये के साथ परस्पर जुड़ गए थे, जबकि जी-23 समूह के साथ कतई ऐसा नहीं है, जिसे मीडिया ने किसी भी बौद्धिक बैठक की तुलना में कहीं अधिक प्रचारित किया। खड़गे की उम्मीदवारी के ईद-गिर्द लामबंद हो गए और शशि थरूर को एक तरह से अलग-थलग छोड़ दिया। ये नेता अब सामूहिक रूप से या व्यक्ति रूप से पार्टी के प्रभावशाली मंचों पर अपने लिए जगह तलाश कर रहे हैं। नई कांग्रेस कार्यसमिति (12 निर्वाचित और 11 मनोनीत स्थान) और अन्य संगठनात्मक मंचों पर ये नेता अपने लिए ठौर खोजेंगे। विशेष रूप से संसदीय बोर्ड और उस केंद्रीय चुनाव समिति में उन्हें पद की तलाश होगी, जो संसदीय/विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता के सांविधानिक पद के लिए कोशिशें होंगी। कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष को एक व्यक्ति-एक पद को ध्यान में रखते हुए फैसला करना है। शशि थरूर वास्तव में मल्लिकार्जुन खड़गे की व्यापक स्वीकार्यता के मुकाबले पिछड़ गए। शशि थरूर शानदार वक्ता हैं, उनका अकादमिक रिकॉर्ड बेहतरीन है, लेकिन मरणासन्न पार्टी को पुनर्जीवित करने और फिर सक्रिय करने के लिए विचार कौशल के बावजूद उनमें संगठनात्मक अनुभव की कमी रह गई। कांग्रेस में पिछली बार जब अध्यक्ष पद के लिए संघर्ष हुआ था, तब अनुभवी नेता जितेंद्र प्रसाद 7,542 में से सिर्फ 94 वोट हासिल कर सके थे। हालांकि जितेंद्र प्रसाद के 100 से कम मतों की तुलना शशि थरूर के 1072 मतों से करना गैर-वाजिब होगा, क्योंकि पिछले चुनाव में तो मतपत्र पर दूसरा नाम सोनिया गांधी का था। और इस बार खड़गे को अध्यक्ष पद के लिए कुल 7,897 वोट मिले हैं। शशि थरूर को भी 1,000 से ज्यादा वोट मिले हैं।

“ खड़गे पार्टी के पहले गैर-गांधी अध्यक्ष हैं। खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें करिश्माई नेता शशि थरूर के समर्थकों के साथ भी सामंजस्य बिठाना पड़ेगा। शशि थरूर शानदार वक्ता हैं, उनका अकादमिक रिकॉर्ड बेहतरीन है, लेकिन मरणासन्न पार्टी को पुनर्जीवित करने और फिर सक्रिय करने के लिए विचार कौशल के बावजूद उनमें संगठनात्मक अनुभव की कमी रह गई।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगाई को गंभीरता से नहीं ले रही सरकार

समर मुखर्जी

यह सब स्वीकार करते हैं कि स्थिति बड़ी ही गंभीर है, परंतु न तो वित्त मंत्री ने और न ही शासक दल ने इन समस्या के मूल में जाने का प्रयास किया है। वस्तुत: इसे कांग्रेस सरकार ने शुरू से अब तक की अपनी पंचवर्षीय योजनाओं तथा अन्य नीतियों से एकाधिकार प्राप्त लोगों की ही समृद्धि की है और कर रही है, परंतु बात यह समाजवाद की करती है। दो दिन पहले ही उद्योग मंत्री की उपस्थिति में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने वक्तव्य दिया कि देश के 75 बड़े उद्योग गृहों में से 66 उनके राज्य में हैं और उन्हें बढ़ने दिया जाना चाहिए, ताकि बेरोजगारों को रोजगार मिले, क्षेत्रों का विकास हो और उत्पादन बढ़े। फिर भी हमारी अर्थव्यवस्था इस प्रकार क्यों चौपट हो रही है? क्या कभी इसके कारणों की खोज की गई है? यह सरकारी नीति की अनुपयुक्तता के कारण ही तो है कि देश में निरंतर बेरोजगारी बढ़ रही है, कीमतें बढ़ रही हैं, काला धन बढ़ रहा है और धन कुछ ही लोगों के कब्जे में जा रहा है।

आज देश में 75 करोड़ रुपये काला धन विद्यमान है। फिर सर्वेक्षण से पता चलता है कि हरित क्रांति के फलस्वरूप ग्रामीण लोगों के मध्य अधिक ध्रुवीकरण हुआ है, अधिक लोग भूमिहीन हुए हैं तथा बेरोजगारी बड़ी है। आज बड़ी-बड़ी कंपनियों के स्वामी बैंकों से बड़ी-बड़ी राशियां प्राप्त कर रहे हैं तथा अपने पूंजीगत उत्पादन के लिए सभी स्रोतों का लाभ उठा रहे हैं। सारी खाद्यान्न मंडियां उनके काबू में हैं। सरकार, मंत्रालय, विभाग, सभी उनके नियंत्रणाधीन होते जा रहे हैं। यही मूल समस्या है। कीमतों में वृद्धि तथा आर्थिक संकट से सारा देश संतप्त है और यह संकट निरंतर बढ़ता जा रहा है। साथ ही, असंतोष के कारण लोगों में धैर्य भी समाप्त होता जा रहा है। दिल्ली में रोज बस जलाई जा रही है। एक दिन सरकार महंगाई रोकने का आह्वान करती है, तो दूसरे ही दिन समाचार पत्रों में छपता है कि चीनी और अनाज के भाव बढ़ गए हैं। अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ने के समाचार भी नित्य आते हैं। वित्त मंत्री कहते हैं कि निकट भविष्य में कीमतों में गिरावट आएगी, परंतु स्थिति कुछ भिन्न ही है। अत: अब किसी प्रकार की सुस्ती या काहिली की गुंजाइश नहीं रह गई है। उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर

वस्तुएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

सरकार ने स्वयं इस बात को स्वीकार किया है कि भारत में 50 प्रतिशत लोग भुखमरी स्तर से भी निम्न स्तर पर जीवनयापन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठक में मैंने कहा था कि सरकार मामले की गंभीरता को नहीं पहचान रही है। वित्त मंत्री के वक्तव्य से मेरी बात सिद्ध होती है कि स्थिति गंभीर है। ...तर्क दिए जा रहे हैं कि सारे देश में ही कीमतें बढ़ रही हैं और सरकार का इसमें कोई दोष नहीं है। यदि इस बात को स्वीकार कर लिया जाए, तो फिर सरकारी नीति में कोई परिवर्तन करने की जरूरत नहीं रह जाती है । सरकार की बात को गलत सिद्ध करने के लिए मैं अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के प्रतिवेदन का उल्लेख करना चाहता हूं। प्रतिवेदन में कहा गया है कि केन्या में कीमतें 18.6 प्रतिशत बढ़ी हैं, थाइलैंड में 19.1 प्रतिशत, ईरान में 17 प्रतिशत, पाकिस्तान में 45.1 प्रतिशत, परंतु भारत में कीमतों में 90 प्रतिशत वृद्धि हुई है। कुछ मित्रों ने चीन तथा रूस का उल्लेख किया था। 1971 में चीन की अर्थव्यवस्था के बारे में संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक निर्धारण किया गया था। उसमें बताया गया है कि वहां पर सभी के पास रोजगार है और लोगों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, वहां जीवन निर्वाह लागत कम है और लोगों को आयकर नहीं देना पड़ता है। यह भी बताया गया है कि चीन की सरकार ने रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों की कीमतों को कम करने के लिए भी कदम उठाएं हैं। कृषि उत्पादों पर कर को 12 प्रतिशत से कम कर 1971 में छह प्रतिशत कर दिया गया है, दैनिक प्रयोग की औद्योगिक वस्तुओं की कीमतें भी वहां कम हो रही हैं... । यह चीनी अर्थव्यवस्था का चित्र है, इसकी तुलना भारतीय अर्थव्यवस्था से की जा सकती है।

मेरा निवेदन यह है कि महंगाई के मूल कारणों को दूर किया जाना चाहिए। सरकार को खाद्यान्नों का व्यापार अपने हाथ में ले लेना चाहिए। अन्य अत्यावश्यक वस्तुओं के व्यापार को भी सरकार द्वारा अपने हाथों में लेना चाहिए । इनके वितरण की जिम्मेदारी सरकार को स्वयं संभालनी चाहिए।

मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने चुनौतियां और थरूर का भविष्य?

अजय बोकिल

जैसे कि नतीजा पहले से मानो तय था कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्ययक्ष के लिए पार्टी के 137 साल के इतिहास में छठी बार हुए चुनाव में गांधी परिवार का आशीर्वाद प्राप्त मल्लिकार्जुन खड़गे ही जीतेंगे और वही हुआ भी। नतीजों ने साफ कर दिया कि कांग्रेसियों और गांधी परिवार का राजनीतिक डीएनए एक ही है। अध्यक्ष पद के चुनाव में प्रदेश कांग्रेस के 9 हजार से डेलीगेट्स ने मत डाले। इनमें से मल्लिकार्जुन खड़गे को 7 हजार 897 मत वोट मिले, जबकि शशि थरूर को महज 1 हजार 072 मतों से संतोष करना पड़ा। हालांकि थरूर की स्थिति उनके पूर्ववर्ती जितिन प्रसाद की तुलना में बेहतर रही, जिन्होंने 2000 में हुए अध्यक्ष पद के चुनाव में सोनिया गांधी को चुनौती दी थी और उन्हें सौ वोट भी नहीं मिल पाए थे। उसी के साथ उनके राजनीतिक कॅरियर पर भी विराम लग गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष का बहुप्रतीक्षित चुनाव तो हो गया, लेकिन आगे मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने मुश्किलों का पहाड़ है, जिसे वो कैसे लांघेंगे और किस हद तक जाकर लांघेंगे। दूसरे, चुनाव लड़ने का दम भरने वाले शशि थरूर का कांग्रेस में भविष्य अब क्या होगा, क्योंकि अध्यक्ष के लिए गांधी परिवार की मर्जी के खिलाफ खम ठोंकने वाले हर नेता का अंत त्रासद ही रहा है। कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद चुनाव के इस धारावाहिक का हासिल इतना है कि कांग्रेस में संगठन के शीर्ष पद के लिए चुनाव हुए तो और दो साल पहले पार्टी में जी-23 की बगावत के तारतम्य में गांधी परिवार ने बैक सीट ड्राइविंग का अहम फैसला किया। इसी के साथ जी 23 की यह मांग कि पार्टी को एक पूर्णकालिक अध्यक्ष चाहिए भी पूरी हो जाएगी। यह तय था कि गांधी परिवार का कोई सदस्य इस चुनाव में नहीं उतरेगा। लेकिन जीतेगा वही, जिसे गांधी परिवार चाहेगा। ऐसा लगता है कि गांधी परिवार भाजपा के परिवारवाद के आरोप को अपने तरीके से धोना चाहता है। वैसे भी यह चुनाव ऐसे वक्त पर हुआ है, जब दो राज्यों हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं और राहुल गांधी लंबी 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले हुए हैं।

हिमाचल में कांग्रेस सत्ता में आती है या नहीं और गुजरात में वो भाजपा के साथ आम आदमी पार्टी से भी दो-दो हाथ कर अपना वजूद कैसे बचा पाती है, इस पर राजनीतिक प्रेक्षकों की पैनी निगाह है। अगर यहां से कुछ अच्छी खबर मिली तो 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भी कांग्रेस को संजीवनी मिलेगी। ऐसा लगता है कि कांग्रेस दोहरी रणनीति पर चलेगी। संगठन की कमान जाहिरा तौर पर खड़गे के हाथों में रहेगी और पार्टी प्रचार की कमान राहुल गांधी संभालेंगे। इसमें सुविधा यह है कि अगर कांग्रेस जीती तो सेहरा राहुल के सिर होगा और हारी तो खड़गेजी हैं ही। बावजूद इसके खड़गे के पक्ष में यह बात है कि वो बहुत अनुभवी और जमीन से उठे राजनेता हैं। साथ में दलित भी हैं। कर्नाटक से होने के बाद भी काफी अच्छी हिंदी जानते हैं। हालांकि राजनीति के कुरुक्षेत्र उत्तर भारत में उनकी पहचान ज्यादा नहीं है।

उनके सामने असली चुनौती कांग्रेस संगठन में जमीन से लेकर शीर्ष स्तर तक जान फूंकने की है। तदर्थवाद समाप्त कर जुझारू चेहरों को आगे लाने और उन्हें पार्टी की कमान सौंपने की है। हर चुनाव को पूरी ताकत से लड़ने और कार्यकर्ता में सत्ता की भूख पैदा करने की है। क्योंकि कांग्रेस में बरसों से गणेश परिक्रमा करने वालों को ही 'प्रसाद' मिलने का चलन रहा है। पार्टी में शीर्ष स्तर से लेकर राज्यों और जिला इकाई स्तर पर भी अंतर्कलह इस हद तक है कि अपने 'आतंरिक लोकतंत्र पर गर्व' करने वाली इस पार्टी के पास इस मर्ज का कोई शर्तिया इलाज नहीं है। उदाहरण के लिए राजस्थान में फिलहाल गहलोत और सचिन पायलट में जारी युद्ध विराम 'युद्ध के पहले की शांति' की तरह है। कब विस्फोट होगा, कहा नहीं जा सकता। जाहिर है कि जो घाटे में रहेगा, वो कांग्रेस में भी रहेगा कि नहीं, इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। उधर छत्तीसगढ़ में भी पार्टी में असंतोष भीतर ही भीतर धधक रहा है, जो अगले साल विधानसभा चुनाव के पहले किसी भी रूप में सामने आ सकता है। पिछले साल केरल में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सत्ता में आते-आते इसी वजह से रह गई कि कांग्रेस के चेन्नीथला और ओमन चांडी गुट ने एक दूसरे के खिलाफ भीतरघात किया और कांग्रेस आला कमान कुछ नहीं कर सका। पार्टी जहां विपक्ष में है, वहां भी हालात ठीक नहीं है। मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया इसी कारण कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए। खडगे के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है कि कांग्रेस में गुटबाजी कम हो और कार्यकर्ता को ज्यादा महत्व मिले। पार्टी जनता के मुद्दों को लेकर सड़कों पर संघर्ष करती दिखे। अभी जो कुछ होता है, वह क्षणिक उत्सव की तरह ज्यादा है। उसमें भी स्थानीय नेताओं के अपने स्वार्थ काम करते हैं। इससे भी बड़ी बात कांग्रेस से युवाओं को जोडने की है। यूं राहुल गांधी के साथ 119 भारत यात्री भी चल रहे हैं, लेकिन ये किसी राजनीतिक परिवार के लोग नहीं हैं। ये आगे कांग्रेस के लिए काम करेंगे और कैसे करेंगे, यह अभी साफ नहीं है। उधर खड़गे की बातों और व्यक्तित्व से देश के युवा कितना कनेक्ट कर पाएंगे, कहना मुश्किल है। इसी तरह पार्टी संगठन को हर स्तर पर सक्रिय बनाने और समय पर निर्णय लेने और उसे लागू कराने की भी जरूरत है। इसके लिए खड़गे को बहुत ज्यादा मेहनत करने और फ्री हैंड की जरूरत है। अगर खडगे यह सब नहीं कर पाए तो उनका कार्यकाल महज औपचारिकता ही रह जाएगा।

यम देव की पूजा और उनके नाम से दीपदान करने का विधान है

नरक चतुर्दशी

दीपावली का पर्व एक नहीं बल्कि पूरे पांच दिनों तक चलता है। इस महोत्सव की शुरुआत धनतेरस के दिन से होती है और इसके दूसरे दिन नरक चतुर्दशी प?ती है। नरक चतुर्दशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है और इसे छोटी दिवाली के नाम से भी जाना जाता है। दिवाली के ठीक एक दिन पहले कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को नरक चतुर्दशी कहा जाता है। इस दिन लोग घरों के कुछ विशेष स्थानों पर दीप प्रज्वलित करते हैं। मान्यता है कि इस दिन मुख्य द्वार के पास दीया जरूर जलाना चाहिए जिससे घर की सुख समृद्धि बनी रहे। नरक चतुर्दशी को छोटी दिवाली, काली चौदस, नरक चौदस, रूप चौदस के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मुख्य रूप से यम देव की पूजा और उनके नाम से दीपदान करने का विधान है। आइए ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ डॉ आरती दहिया जी से जानें इस साल कब मनाई जाएगी यह तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है।

तिथि और शुभ मुहूर्त

कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि आरंभ: 23 अक्टूबर 2022, शाम 6 बजकर 3 मिनट से।
कार्तिक चतुर्दशी तिथि समापन: 24 अक्टूबर, शाम 5 बजकर 27 मिनट पर। इस योग में काली चौदस 23 अक्टूबर, रविवार को रात 11:42 से 24 अक्टूबर प्रात: 12:33 तक रहेगी और इसी मुहूर्त में काली माता का पूजन होगा।
नरक चतुर्दशी उदया तिथि के अनुसार : 24 अक्टूबर, सोमवार को मनाई जाएगी।

नरक चतुर्दशी का महत्व

हिंदू धर्म में नरक चतुर्दशी का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन विशेष रूप से यम देव की पूजा की जाती है और उन्हें प्रसन्न करने के लिए दीपदान किया जाता है। इस दिन घर के बाहर स्थित किसी नाली के पास दीपक प्रज्वलित किया जाता है और घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर करने की प्रार्थना की जाती है। इस दिन यदि आप सरसों के तेल का दीपक जलाकर मुख्य द्वार पर रखती हैं तो माता लक्ष्मी का आगमन होता है और पूरे साल उनकी कृपा दृष्टि बनी रहती है।

पूजा विधि

- नरक चतुर्दशी के दिन प्रात: जल्दी उठें और स्नान आदि कर्म से निवृत होकर साफ वस्त्र धारण करें।
- इसके बाद घर के पूजा स्थल को अच्छी तरह से सा? करें और सभी देवी देवताओं को स्नान कराएं।
- घर के मंदिर में दीपक जलाएं और प्रदोष काल के समय घर के मुख्य द्वार या आंगन में दीपक जलाएं।
- एक दीपक यमदेव के नाम का जलाएं और मुख्य द्वार के बाहर रखें।
- इस दिन कुछ लोग व्रत भी रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा माता लक्ष्मी समेत करते हैं।

नरक चतुर्दशी की कथा

एक पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में नरकासुर नामक राक्षस ने सभी देवताओं को परेशान करना शुरू कर दिया था। उसके भीतर अनगिनत अलौकिक शक्तियां थीं जिसकी वजह से उससे युद्ध करना किसी के वश में नहीं था। जब नरकासुर की यातनाएं बहुत ज्यादा बढ़ गईं तब सभी देवता भगवान कृष्ण के पास पहुंचे और उनसे बचाव की प्रार्थना की। सभी देवताओं की स्थिति देखते हुए श्रीकृष्ण उनकी मदद के लिए तैयार हो गए। नरकासुर को अभिशाप मिला था कि उसकी मृत्यु एक स्त्री के हाथों ही होगी। तब बड़ी ही चतुराई से भगवान कृष्ण ने अपनी पत्नी के सहयोग से कार्तिक के महीने में कृष्ण पक्ष के 14वें दिन नरकासुर को वध कर दिया। नरकासुर की मृत्यु के बाद 16 हजार बंधकों को मुक्त किया गया। तब से इन 16 हजार बंधकों को पटरानियों के नाम से जाना जाने लगा। नरकासुर की मृत्यु के बाद कार्तिक मास की अमावस्या के ठीक एक दिन पहले लोग नरक चतुर्दशी मनाने लगे। इस प्रकार नरक चतुर्दशी के दिन किया गया पूजन विशेष रूप से फलदायी होता है और विधि- विधान से से पूजा करने से घर में सुख समृद्धि का वास होता है। अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें। इसी तरह के अन्य रोचक लेख पढ़ने के लिए जुड़ीरहें आपकी अपनी वेबसाइट हर जिंदगी के साथ।

हंसना मना है

लड़की ट्रेन में एक लड़के से बोली: क्या मैं यहां बैठ सकती हूं? लड़का: हां हां, बिल्कुल, अपनी ही सीट समझो। लड़की: क्या मैं आपकी बोतल से थोड़ा पानी पी सकती हूं? लड़का: हां हां, जरूर। लड़की: अगला स्टेशन कौन-सा है भैया? लड़का: मेरे दिमाग में कोई जीपीएस नहीं लगा है। लड़की: जल्दी सीट खाली करो, मुझे नींद आ रही है।

एक बार क्लास में मैडम ने बच्चों से एक सवाल पूछा। मैडम: तुम सब में से सबसे बहादुर कौन है बच्चों? सारे बच्चों ने हाथ उठा दिए। मैडम ने एक और सवाल पूछा। मैडम: अच्छा बताओ, अगर तुम्हारे स्कूल के सामने कोई बम रख दे तो तुम क्या करोगे? पिंटू बोला मैडम जी एक, दो मिनट देखेंगे अगर कोई ले जाता है तो ठीक है, नहीं तो स्टाफरूम में रख देंगे।

बीवी: जी, लड़कों का कॉमनसेंस बिलकुल जीरो होता है। संता: क्यूं? बीवी: अब देखो ना जेंटस टॉयलेट में लिख कर आएंगे शालू आई लव यू अब क्या शालू वहां पढ़ने जाएगी? बेवकूफ लड़के।

पत्नी: जानु, क्या मैं तुम्हारे सपनों में आती हूं। पति: बिलकुल नहीं। पत्नी: क्यों? पति: मैं हनुमान चालीसा पठकर सोता हूं।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने....।

कहानी | दो बिल्ली और बंदर

एक समय की बात है। एक गाँव में दो बिल्लिया रहती थी। वे दोनों आपस में बहुत अच्छी दोस्त थी। इसलिए वे दोनों हमेशा साथ साथ रहती थी और एक साथ मिलकर ही खाना ढूंढती थी। एक दिन दोनों बिल्लियों को कहीं से एक बड़ी सी रोटी मिल गयी। इस बात से दोनों बिल्लियाँ बहुत खुश हुई और अब वे दोनों एक पेड़ की छाँव में जाकर रोटी का बंटवारा करने लगी। उन्होंने रोटी को तोड़कर आधा आधा कर लिया और आपस में बांट लिया। तभी उनमे से एक बिल्ली बोली कि उसकी रोटी का टुकड़ा थोड़ा छोटा लग रहा है और वो दूसरी बिल्ली से और रोटी का टुकड़ा मांगने लगी। लेकिन दूसरी बिल्ली ने और टुकड़ा देने से मना कर दिया। बस फिर क्या था दोनों बिल्लियाँ आपस में झगड़ने लगी। उस पेड़ पर बैठा हुआ एक बन्दर बहुत देर से दोनों बिल्लियों को झगड़ते हुए देख कर नीचे आता है और कहता है कि तुम दोनों एक छोटी से बात पर इतना झगड़ा क्यों कर रही हो। लाओ दोनों टुकड़े मुझे दो, मैं अभी तुम दोनों को बराबर रोटी बांट कर झगड़ा यहीं खत्म कर देता हूँ। दोनों बिल्लियों ने बन्दर की बात मान ली और रोटी के दोनों टुकड़े बंदर को दे दिए। अब बंदर के पास रोटी के दोनों टुकड़े थे जिन्हें वो बहुत ध्यान से देखने का नाटक करता है। थोड़ी देर बाद बन्दर ने कहा-हां! वास्तव में इनमे से एक टुकडा थोड़ा छोटा लग रहा है और ऐसा कहकर उसने एक टुकड़े में से थोड़ा सा टुकड़ा तोड़कर खा लिया। बन्दर ने फिर उसी तरह दोनों टुकड़ों को देखा और फिर कहा, अब भी दोनों तरफ बराबर नहीं है और फिर से वो दूसरे टुकड़े में एक टुकड़ा तोड़कर खा लेता है। इधर दोनों बिल्लियां आस लगाए बैठी थी कि शायद अबकी बार दोनों टुकड़े बराबर हो जायेंगे लेकिन बन्दर हर बार यह कहकर थोड़ा सा टुकड़ा खा जाता कि अब भी दोनों टुकड़े बराबर नहीं है। काफी देर तक ऐसा ही चलता रहा और इस प्रकार बन्दर लगातार रोटी खाता रहा। रोटी के दोनों टुकड़े अब पहले से बहुत छोटे हो गये थे। अब दोनों बिल्लियाँ बन्दर की चालाकी को भांप गयी थी। बिल्लियों ने थोड़ी चालाकी दिखाते हुए कहा कि बन्दर भाई बहुत देर हो गयी है और अब आप हमें ये बचे हुए टुकड़े ही वापस कर दो हम दोनों उसमें ही खुश हो जायेंगे। इस पर बंदर बोला क्या बात कर रही हो, यहाँ मैं इतनी देर से तुम दोनों के लिए मेहनत कर रहा हूँ और देखो बराबर बाँटने के चक्कर में अब तो रोटी भी छोटी सी बची है और ये बचा हुआ टुकड़ा तो मेरी मेहनत के लिए मुझे मिलना ही चाहिए न। और ऐसा कहकर बन्दर ने उस बचे हुए रोटी के टुकड़े को भी खुद ही खा लिया। बेचारी दोनों बिल्लियाँ देखती ही रह गयी। लेकिन अब वो कर भी क्या सकती थी। अब दोनों पछताने के सिवाय कुछ नहीं कर सकती थी।

कहानी से शिक्षा: दूसरों से सहायता मांगने से पहले अपनी समस्याओं का समाधान खुद करना चाहिए।

6 अंतर खोजें

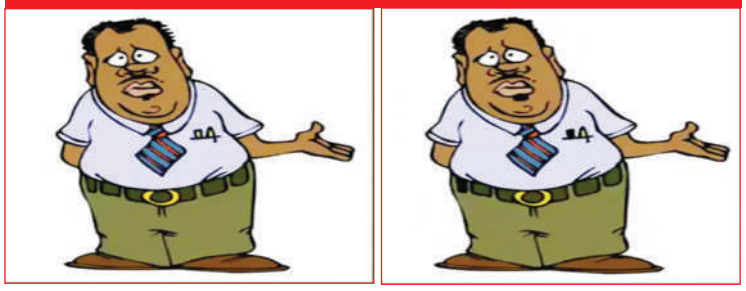

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

अपने जीवनसाथी के मामले में गैर-जरूरी टांग अड़ाने से बचें। अपने काम-से-काम रखना बेहतर रहेगा। कम-से-कम दखल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है।

वृषभ

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। ऑफिस में किसी सहकर्मी से आपको मदद मिल सकती है। सेहत के मामले में आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने का प्लान बनायेंगे।

मिथुन
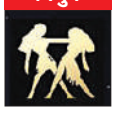
आप दोस्तों के साथ एक नया उद्यम शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा। वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है।

कर्क

अचानक आए खर्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। मां की बीमारी परेशानी दे सकती है। मर्ज का असर करने के लिए उनका ध्यान बीमारी से हटाकर किसी और चीज पर लगाने की कोशिश करें।

सिंह
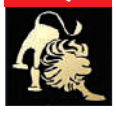
आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ हो सकता है। आपको सभी काम में सफलता मिलेगी। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा।

कन्या

आज आप अपने खान-पान और दिनचर्या के प्रति सजग रहें। धैर्य बनाए रखें ज्यादा खुश और अधिक परेशान होने से बचे। कुछ के लिए प्रेम संबंधों में मधुरता होती है।

तुला

इस तरह के विचारों से बचें, क्योंकि ये समय की बर्बादी करते हैं और आपकी क्षमताओं को खत्म करते हैं। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है।

वृश्चिक

आज आपका कोई नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है। आप उनसे अपनी कोई निजी बातें शेयर कर सकते हैं। इससे आपके मन का बोझ थोड़ा हल्का होगा।

धनु

किसी बुजुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। भावनाओं के प्रवाह में बहकर आप कोई अविचारी कार्य न कर बैठें, इसका ध्यान रखें।

मकर

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आप काफी पैसे बना सकते हैं लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। पुरखों की जायदाद की खबर पूरे परिवार के लिए खुशी ला सकती है।

कुम्भ

आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद रहेगी।

मीन

आज कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। उद्यमियों के लिए नए क्षितिज खुल सकते हैं, जो उनके विकास के लिए आर्थिक तौर लाभकारी होगा।

छोटा पर्दा | मन की बात

बिग बॉस 16 में सिर्फ सलमान सर के लिए आई : टीना दत्ता

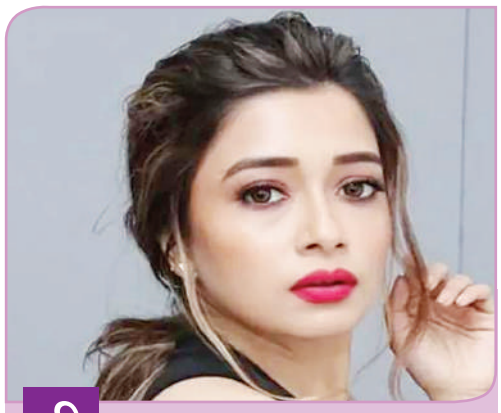

टी वी अभिनेत्री टीना दत्ता, जो वर्तमान में बिग बॉस 16 में नजर आ रही हैं, कभी भी रियलिटी शो की प्रशंसक नहीं रही हैं और उन्हें हमेशा काल्पनिक नाटक करना पसंद है। टीना दत्ता ने कहा, मैंने एक प्रतियोगी के रूप में बिग बॉस में कभी प्रवेश नहीं किया, इसलिए इस बार यह पूरी तरह से एक अलग अनुभव है जहां मुझे अपना असली पक्ष दिखाना है और यह मजेदार है। लेकिन मुझे कहना होगा कि टीवी शो मेरा पहला प्यार है। मैंने उनके साथ अपने करियर की शुरूआत की थी और मैं इसे और अधिक करने के लिए उत्सुक हूं। 30 वर्षीय अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह बिग बॉस में शामिल हुईं सलमान खान की वजह से। उन्होंने कहा, अगर सलमान सर होस्ट नहीं होते, तो मुझे नहीं लगता कि मैं शो में शामिल होती। टीना, जो शनि जैसे शो का हिस्सा रही हैं और चोखेर बाली और परिणीता जैसी फिल्मों में भी काम किया है, ने भी अपनी उतरन की सह-कलाकार रश्मि देसाई के साथ अपने मनमुटाव की अफवाहों को खारिज कर दिया। उसने कहा, मेरे व्यक्तिगत संबंधों के आसपास कोई विवाद नहीं है और मैं हमेशा उनके बारे में बहुत मुखर हूं। बेशक मैं एक रिश्ते में रही हूं और कभी-कभी यह काम कर जाता है और कभी-कभी नहीं। रश्मि देसाई के साथ मेरी कभी कोई कड़वाहट नहीं थी। हमने एक साथ सोशल मीडिया पोस्ट साझा किए हैं और साक्षात्कार भी दिए हैं। लोगों की एक ही शो की दो महिलाओं पर टिप्पणी करना एक सामान्य आदत है जैसे वे अच्छी तरह से मेल नहीं खाते। लेकिन यह सच नहीं है और हमारे बीच सब ठीक है।

अभिषेक के साथ पॉडकास्ट शुरू करेंगे अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा ने हाल ही में अपना पॉडकास्ट शुरू किया है। जिसका नाम वॉट द हेल नव्या है। नव्या के इस पॉडकास्ट में अब तक नानी जया बच्चन और मम्मी श्वेता बच्चन नंदा बतौर गेस्ट पहुंची थीं। हालांकि नव्या ने इसमें अभी तक किसी मेल मेंबर को नहीं इनवाइट किया, जिसके बाद अब बिग-बी ने बेटे अभिषेक बच्चन के साथ पॉडकास्ट शुरू करने का मन बनाया है।

दरअसल, अमिताभ टीवी शो KBC में आई कंटेस्टेंट सुरभि गीते से हंसी-मजाक कर रहे थे। इस दौरान एक्टर ने बताया कि वे अभिषेक बच्चन के साथ पॉडकास्ट शुरू करना चाहते हैं। आमिताभ आगे कहते हैं कि नव्या के पॉडकास्ट में केवल घर की फीमेल्स को फीचर किया गया है, वहां पर मेल्स अलाउड नहीं हैं। इसलिए अब वो अपना नया पॉडकास्ट शुरू करना चाहते हैं। कौन बनेगा करोड़पति शो में आई कंटेस्टेंट ने बिग बी से कुछ अफवाहों के बारे में पूछा। सुरभि ने पूछा- क्या यह सच है कि जया के साथ उनकी लव स्टोरी अभिमान से शुरू हुई थी? इस पर एक्टर ने जवाब दिया-क्या कोई ऐसा नियम नहीं है, कि हम जवाब नहीं देंगे? सुरभि ने आगे पूछा- क्या यह सच है कि आपको जुहू बीच की पाव भाजी बेहद पसंद है और आप अपना गेटअप बदलकर वहां पाव भाजी खाने जाते थे, लेकिन हाइट की वजह से पकड़े जाते थे? इस पर अमिताभ कहते हैं- हां मुझे जुहू की पाव भाजी पसंद है, लेकिन मैं भेस बदलकर नहीं जाता हूं। बिग बी और कंटेस्टेंट सुरभि का ये हंसी-मजाक का वीडियो सुर्खियों में है।

बॉलीवुड | मसाला

इंदिरा गांधी के बाद अब नटी बिनोदिनी का किरदार निभाएंगीं कंगना रनौत

कंगना रनौत अपनी अपकमिंग फिल्म इंमेरजेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। वे इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गंधी का किरदार निभा रही हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। इस नए प्रोजेक्ट में भी कंगना बायोपिक फिल्म में नजर आएंगी। वे इस फिल्म में दिग्गज बंगाली थिएटर आर्टिस्ट के किरदार में पर्दे पर नजर आएंगी। कंगना प्रदीप सरकार के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में मशहूर बंगाली थिएटर अभिनेत्री बिनोदिनी दासी की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगी।

कंगना रनौत ने अपनी फिल्मी करियर में कई चुनौतिपूर्ण रोल बखूबी अदा किये हैं। वे अपनी हर फिल्म में एक अलग स्टोरी लेकर आती हैं जिसे देखने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। इससे पहले कंगना रनौत ने साउथ एक्ट्रेस और राजनेता जयललिता की बायोपिक में लीड रोल निभाया था। उनके ये किरदार भी फैंस को बेहद पसंद आया था। फिलहाल एक्ट्रेस इमेरजेंसी में देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरादर को निभा रही हैं। जो की बड़ा ही चैलेंजिंग है। इसी राह पर चलते हुए कंगना अब अपनी अपकमिंग फिल्म में थिएटर कलाकार नटी बिनोदिनी की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। बता दें कि, कंगना की इस मेगाबजट फिल्म को फिलहाल कोई नाम नहीं दिया गया है। नटी बिनोदिनी जो कि एक बंगाली थियेटर एक्ट्रेस हुआ करती थी। नटी बिनोदनी को बिनोदनी दासी कह कर बुलाया जाता था। उनका जन्म एक वेश्यावृति वाले समाज में हुआ था। साल 1874 में बारा साल की उम्र में उन्होंने थियेटर करना शुरु किया था। उन्होंने कलकत्ता नेशनल थियेटर में अपना पहला ड्रामा रोल किया था। बता दें कि, 1874 ये वो दौर था जब थियेटर और सिनेमा में महिला का रोल भी पुरुष निभाते थे। माना जाता है कि थियेटर और कला के मामले में बंगाल अंग्रेजों से भी आगे था। पुरुषों के बीच महिला कलाकारों को सबसे पहले पर्दे पर उतारने वाला बंगाल ही है। उस दौर में थियेटर पर एक्टिंग का जलवा दिखाने वाली क्रांतिकारी अभिनेत्री थी, बिनोदिनी दासी।

अजब-गजब | अस्थियों के साथ भी किया जाता ये काम

राजस्थान के इस गांव में नहीं है एक भी मंदिर

हिंदू धर्म में मरने के बाद के शव का अंतिम संस्कार किया जाता है और मृतक का शरीर जलाने के बाद उसकी अस्थियों को किसी भी पवित्र नदी में बहा दिया जाता है। ये रीति-रिवीज और परंपराएं सदियों से चलती आ रही हैं, जो आगे भी ऐसे ही चलती रहेंगी, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां इंसान के मरने के बाद उसकी अस्थियों के साथ कुछ ऐसा किया जाता है, जिस पर विश्वास करना और उसके बारे में सोचना हमारे लिए नामुमकिन है।

आज हम आपको राजस्थान के उस गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां रहने वाले लोग अस्थियों को नदी में बहाने और किसी भी धार्मिक कामों में विश्वास नहीं करते हैं। ये अनोखा गांव राजस्थान के चुरू जिले के तारानगर तहसील में स्थित है, जिसका नाम लांबा की ढाणी की है। इस गांव में मरने के बाद अस्थियों को नदी में बहाने के बजाय उन्हें दोबारा जलाकर राख कर दिया जाता है।

पूरे गांव में केवल 105 घर

राजस्थान के चुरू जिले के ये गांव बेहद ही अनोखा है, यहां रहने वाले भगवान में अपनी आस्था तो रखते हैं, लेकिन इसके बावजूद इस गांव में एक भी मंदिर नहीं है। यहां रहने वाले लोगों का कहना और मानना है कि इंसान धार्मिक कर्मकांडो से बजाए अपनी मेहनत और लगन पर ज्यादा ध्यान दें। जानकारी के अनुसार, लांबा की ढाणी की गांव में केवल 105 घर हैं, जिसमें 10 घर मेघवालों के, 91 घर जाटों के और 4 घर नायकों के हैं।

इस गांव के सभी लोग पूजा-पाठ और धार्मिक कामों के बजाए अपने कर्म को महत्व देते हैं। गांव के लोग कहते हैं कि उनका काम ही उनकी पूजा है। शायद इसी वजह से यहां रहने वाले लोग अपने जीवन में काफी सफल हैं। इस गांव के 30 लोग सेना में, 30 लोग पुलिस में, 17 लोग रेलवे में और 30 लोग चिकित्सा क्षेत्र में काम करके अपने इस अनोखे गांव का नाम रोशन कर चुके हैं। इसके अलावा गांव के पांच युवकों ने खेल क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त किए हैं।

हलवा-लड्डू नहीं, यहां काली मां को लगता है नूडल्स का भोग!

नवरात्रि का त्योहार देशभर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस मौके पर मंदिरों को सजाया गया है। वहीं, सार्वजनिक जगहों पर पंडाल लगाए गए हैं। खासकर, पश्चिम बंगाल के कोलकाता में मां दुर्गा की पूजा भव्य तरीके से की जाती है। कोलकाता में एक ऐसा मंदिर है जहां पर मां को नूडल्स का भोग लगाया जाता है। इस मंदिर का निर्माण चीन के लोगों ने करवाया था। हिंदू धर्म में काली माता को क्रोध का प्रतीक माना जाता है लेकिन कोलकाता में स्थित काली मंदिर उदारता का प्रतीक माना गया है। इस मंदिर के बारे में सब कुछ जानते हैं। भारत में कई ऐसे धार्मिक स्थल मौजूद हैं जिनसे जुड़ी हुई रोचक बातें उन्हें बाकियों से काफी अलग हो जाती है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जिसे चाइनीज काली मंदिर कहा जाता है। खास बात है कि यहां नूडल्स वाला प्रसाद दिया जाता है। इस मंदिर की देखरेख यहां मौजूद चीनी समुदाय द्वारा की जाती है। कोलकाता के टेंगरा में मौजूद चाइनीज काली बाड़ी को चाइनाटाउन ऑफ इंडिया के रूप में जाना जाता है। वैसे टेंगरा में बौद्ध और ईसाई रीति-रिवाजों का ज्यादा पालन किया जाता है। नवरात्रि के दौरान यहां काली पूजा की अलग ही रौनक रहती है। कहते हैं कि इस मंदिर को साल 1998 में तैयार किया गया था। यह मंदिर कोलकाता से करीब 12 किमी दूर टांग्रा शहर में है। यहां अधिकतर चीनी लोग रहते हैं इसलिए यह जगह चाइना टाउन के नाम से मशहूर है। कहा जाता है कि यहां मां दुर्गा के रूप काली की पूजा के लिए चीनी समुदाय जमा हुआ और एक समय पर सभी ने पेड़ के नीचे पूजा शुरू की थी। आज ये एक चर्चित मंदिर के रूप में जाना जाता है। इस मंदिर में नूडल्स को प्रसाद के रूप में भक्तों को दिया जाता है। यही वजह इसे बाकी मंदिरों से काफी अलग बनाती है।

मल्लिकार्जुन खड़गे 26 को संभालेंगे कांग्रेस की कमान

विशेष कार्यक्रम में सौंपा जाएगा जीत का प्रमाणपत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मल्लिकार्जुन खड़गे 26 अक्टूबर को कांग्रेस के नए अध्यक्ष की कमान संभालेंगे। राजनीतिक संदेश देने के साथ इस मौके को यादगार बनाने के लिए पार्टी ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया है। इसमें कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, विधायक दल के नेताओं से लेकर सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है। इस समारोह में ही खड़गे को कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने का प्रमाणपत्र सौंपा जाएगा और इसके साथ ही उनका कार्यकाल शुरू हो जाएगा।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के तमाम नेताओं को 26 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड पर होने वाले इस समारोह में आने का आमंत्रण भेजा है। इसमें पार्टी के पदाधिकारियों और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों के अलावा सांसदों, राज्यों के मंत्रियों से लेकर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्षों को भी न्योता दिया गया है। उधर, भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप अध्यक्ष पद के चुनाव में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। भाजपा आईटी सेल के राष्ट्रीय मीडिया सेल प्रमुख अमित मालविया ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के पूरे चुनाव की प्रक्रिया पर ही सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि हेरफेर करके मल्लिकार्जुन खड़गे को जिताया गया है, ताकि उनके जरिये गांधी परिवार का पार्टी पर नियंत्रण बना रहे। कांग्रेस मौजूदा वक्त में भी यूपीए सरकार के मनमोहन सिंह के फार्मूले को खड़गे पर आजमा रही है।

पांच साल का होगा कार्यकाल

इस समारोह के दौरान कांग्रेस चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री खड़गे को अध्यक्ष चुनाव में जीत का प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इसके बाद पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी औपचारिक रूप से कांग्रेस के शीर्षस्थ नेतृत्व की कमान खड़गे को सौंप देंगी। खड़गे का कार्यकाल पांच साल का होगा।

ट्वीटर पर लिखा प्रेसिडेंट इंडियन नेशनल कांग्रेस

नई दिल्ली। वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नए अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। 24 सालों के बाद कांग्रेस में कोई गैर-गांधी परिवार से अध्यक्ष बना है। इस बीच, खड़गे ने पहला बदलाव किया है। खड़गे ने यह पहला बदलाव अपने ट्विटर हैंडल पर किया है। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट के बायो में बदलाव करते हुए लिखा है, ''प्रेसिडेंट इंडियन नेशनल कांग्रेस 7 सांसद, राज्यसभा।''

प्रभारी जिलों में प्रवास करेंगे उत्तराखंड के मंत्री

» दुष्यंत गौतम ने ली निकाय और लोकसभा चुनाव की तैयारी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। धामी सरकार के सभी मंत्रियों को अपने प्रभारी जिलों में न सिर्फ प्रवास करना होगा, बल्कि सरकार में लिए गए अच्छे फैसलों की जानकारी भी जनता के बीच पहुंचानी होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति और प्रदेश पार्टी प्रभारी दुष्यंत गौतम की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन और सरकार के बीच समन्वय पर भी जोर दिया गया। तय हुआ कि समय-समय पर पार्टी की बैठकों में मंत्री भी प्रमुखता से शामिल होंगे और सरकार के उन फैसलों की जानकारी देंगे, जिन्हें जनता के बीच ले जाना है।

पार्टी प्रभारी ने 2023 में होने वाले निकाय चुनाव और 2024 में लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दोनों चुनाव के लिए जनप्रतिनिधियों के क्षेत्र में प्रवास का उद्देश्य सरकार का कामकाज बेहतर करने तथा संगठन की मजबूती है। बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी सरकार के कार्यों, फैसलों और भावी रोडमैप की जानकारी दी। सरकार के सभी मंत्रियों के अलावा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार व पार्टी के प्रदेश महामंत्री भी मौजूद रहे। बैठक में शामिल हुए प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि प्रदेश संगठन मंत्रियों व विधायकों का प्रवास कार्यक्रम जल्द तैयार करेगा। पार्टी पदाधिकारी और संगठन कार्यकर्ता राज्य सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों, जनहित और लोक कल्याणकारी फैसलों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

उतरौला दंगों में दो पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सहित 41 दोषी करार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। एफटीसी प्रथम ने 2005 में उतरौला में हुए दंगों में दो पूर्व नगर पालिका अध्यक्षों सहित 41 लोगों को दोषी करार दिया है। न्यायाधीश ने साक्ष्यों के अभाव में 18 को दोषमुक्त कर दिया है। दोष सिद्ध सभी दोषियों को जेल भेज दिया गया है। सजा पर 31 अक्टूबर को न्यायालय पर पुनः सुनवाई होगी।

दोषी करार दिए गए लोगों में दो पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष भी शामिल हैं। 36 लोगों को न्यायालय ने न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया, जबकि पांच अन्य लोग आज न्यायालय पर मौजूद नहीं थे, उनके खिलाफ गैर जमानतीय वारंट जारी किया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस अभियोजन सेल प्रभारी इंस्पेक्टर केके यादव व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी नवीन कुमार तिवारी ने बताया कि वर्ष 2005 में होली त्यौहार के दौरान उतरौला में दंगा हुआ था, जिसमें दोनों समुदायों के बीच मारपीट व आगजनी की घटनाएं हुई थी। उतरौला पुलिस

ने पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अमरनाथ गुप्ता तथा अनूप गुप्ता सहित 64 लोगों को आरोपी मानते हुए आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। न्यायालय पर सरकारी अधिवक्ता ने 15 गवाहों को प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद एफटीसी प्रथम जहेंद्र पाल सिंह ने आगजनी, मारपीट व दंगा फैलाने का दोषी माना है। न्यायाधीश ने सभी उपस्थित दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। 31 अक्टूबर को दोषियों को सुनकर न्यायाधीश सजा का ऐलान करेंगे। न्यायाधीश ने 18 लोगों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया है। मुकदमे के परीक्षण के दौरान 5 आरोपियों की मृत्यु हो जाने के कारण उनका नाम पत्रावली से अलग कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट में परीक्षा से हो जजों की नियुक्तिः उपेंद्र कुशवाहा

» जेडीयू ने कॉलेजियम सिस्टम पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू के बाद अब जेडीयू ने भी कॉलेजियम सिस्टम के तहत जजों की नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं। जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम के तहत जजों की बहाली पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति प्रतियोगी परीक्षा के तहत होनी चाहिए। ताकि गरीब से गरीब घर का बच्चा भी उच्चतम न्यायालय का जज बन सके।

जेडीयू के तत्वावधान में अरवल के इनडोर स्टेडियम में सद्भावना बचाओ- देश बचाओ सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर जेडीयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि बीजेपी देश में सांप्रदायिक उन्माद पैदा कर सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रही है। इससे सचेत रहने की आवश्यकता है। कुशवाहा ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम के तहत जजों की बहाली पर रोक लगनी चाहिए। आज तक देश में सिर्फ 100 परिवारों के बीच से ही लोग जज बनते रहे हैं। जजों की बहाली के लिए प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन होना चाहिए और उसी के तहत जजों की नियुक्ति उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में होनी चाहिए। ताकि गरीब परिवार के बच्चे को भी प्रतियोगिता के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जज बनने का अवसर मिले। तभी गरीबों को न्याय मिल सकता है।

कानून मंत्री ने भी गलत बताया था कॉलेजियम सिस्टम

इससे पहले केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने एक कार्यक्रम में कहा था कि कॉलेजियम सिस्टम के तहत जजों की नियुक्ति गलत है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जज नियुक्त करने का काम सरकार का है। जनता कॉलेजियम सिस्टम से खुश नहीं है। भारत को छोड़कर दुनिया में कहीं भी यह प्रथा नहीं है कि न्यायाधीश खुद न्यायाधीशों नियुक्त करते हों।

इटावा सफारी में होंगे हिमालयन भालू के दीदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इटावा सफारी पार्क में अब हिमालयन भालू के दीदार पर्यटकों को कराए जाएंगे। इसके लिए झारखंड से हिमालयन भालू को लाए जाने की तैयारी चल रही है। इटावा से डाक्टरों व अधिकारियों की टीम झारखंड जाकर वहां इन भालुओं को देखेगी उसके बाद इन्हे लाए जाने की संभावना है।

इटावा सफारी पार्क में भालू सफारी भी बनाई गई है। इस सफारी को पर्यटकों के लिए खोल भी दिया गया है लेकिन अभी यहां सिर्फ तीन भालू हैं और 50 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस सफारी में भालू की आसानी से दीदार नहीं होते। यहां चार भालू लाए गए थे लेकिन एक भालू की मौत हो जाने के कारण अब भालू सफारी में तीन भालू ही बचे हैं। क्षेत्रफल के हिसाब से भालुओं की संख्या कम है। इसे देखते हुए सफारी में आठ भालू लाए जाने की कवायद चल रही है। इन भालुओं को झारखंड के विरसामुंडा पार्क रांची से लाया जाना है। वहां पर हिमालयन भालू हैं जिसके चलते इन भालुओं को इटावा सफारी पार्क लाए जाने की संभावना है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स में इंडिया की रैंकिंग में की गई साजिश : रवि किशन

» कांग्रेस के नए अध्यक्ष पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बनारस में गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने हाल ही में 121 देशों के 2022 के ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की 107वीं रैंकिंग पर सवाल उठाते हुए इसे बड़ी साजिश बताया। वाराणसी में पत्रकारों से बात करते हुए रवि किशन ने कहा कि पिछले ढाई साल से सरकार देशभर में 135 करोड़ लोगों को अनाज दे रही है। जब पता चल रहा है कि देश की जीडीपी का ग्रोथ भी 13.50 प्रतिशत है।

ऐसे में भारत को विश्व गुरु बनने से रोकने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष खड़गे पर भी निशाना साधा।

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में रवि किशन ने कहा कि जिस तरह से सरकार आम लोगों की सुख सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ ही अलग-अलग योजनाएं चला रही है। उससे वर्ष 2035 तक भारत विश्व गुरु बनने के लिए तैयार है। इसके बाद भी इस तरह की रैंकिंग देख बहुत आश्चर्य हो रहा है। कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर खड़गे के चुने जाने के सवाल पर रवि किशन ने कहा कि 22 साल बाद कांग्रेस को अध्यक्ष मिलना बहुत अच्छी बात है। इसके लिए खड़गे बधाई के पात्र हैं। यह भी जानना होगा कि खड़गे केवल एक पोस्टर है, रिमोट कंट्रोल तो 10 जनपथ है।

उपद्रवियों व पटाखा कारोबार पर कड़ी नजर रखे पुलिस : डीजीपी

» डीएस चौहान ने बाजारों में प्रभावी पेट्रोलिंग के दिये निर्देश

» संदिग्धों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में भी तैनात होंगे पुलिसकर्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दीपावली के पर्व पर अवैध पटाखा कारोबार पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। डीजीपी डीएस चौहान ने त्यौहार पर कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था समेत पटाखा कारोबार को लेकर कड़े निर्देश दिए हैं। कहा है कि विस्फोटक पदार्थ/पटाखा विक्रेताओं के लाइसेंस की थानावार सूची का जिलाधिकारी कार्यालय से मिलान करा लिया जाए। साथ ही पूर्व में विस्फोटक पदार्थ/पटाखों के अवैध कारोबार के मामलों में पकड़े गए आरोपितों की कड़ी निगरानी की जाए। डीजीपी ने कहा कि लाइसेंस व अनुमति के तहत ही पटाखों की बिक्री सुनिश्चित कराई जाए।

डीजीपी ने कहा है कि विस्फोटक पदार्थ/ आतिशबाजी के निर्माण स्थलों की आकस्मिक व प्रभावशाली चेकिंग कराई जाए। पटाखा निर्माताओं के गोदामों की चेकिंग उपजिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी व अग्निशमन विभाग के अधिकारी की टीम द्वारा सुनिश्चित कराई जाए। लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने अथवा अवैध भंडारण करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई भी की जाए। कहा है कि इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर पटाखों/ विस्फोटक सामग्री के परिवहन प्रणाली की भी समीक्षा कराने का निर्देश दिया है, जिससे कहीं कोई अप्रिस घटना न हो।

अत्यधिक शोर वाले पटाखों का न करें प्रयोग

दीपावली को देखते हुए उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने लोगों से अपील की है कि दीपावली पर अत्यधिक शोर वाले पटाखों का प्रयोग न करें। शांत क्षेत्रों में पटाखों का प्रयोग न किया जाए। कहा है कि बच्चों को वायु व ध्वनि प्रदूषण के कुप्रभावों के बारे में जागरूक किया जाए। हरित पटाखों (बेरियम साल्ट रहित) का प्रयोग निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुमन्य है।

डीजीपी ने अग्निशमन की समुचित व्यवस्था कराने का निर्देश भी दिया। डीजीपी ने बाजारों में प्रभावी पेट्रोलिंग के साथ उपद्रवियों पर कार्रवाई करने को कहा। डीजीपी ने कहा अधिकारी खुद फुट पेट्रोलिंग पर निकलें और संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जाए। बाजारों में सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती करने का निर्देश भी दिया है।

भारत जोड़ो यात्रा में रहेगा तीन दिन का विश्राम

» 27 अक्टूबर को तेलंगाना से फिर शुरू होगी यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा में दिवाली के मौके पर 24 से 26 अक्टूबर तक विश्राम रहेगा। 27 अक्टूबर को तड़के यात्रा फिर तेलंगाना से शुरू होगी। कल आंध्र प्रदेश में तीसरे दिन राहुल गांधी ने यात्रा की शुरुआत कुर्नूल जिले के बनवासी गांव से की। बनवासी से वह मुगाती और हलाहरवी होते हुए शाम को मंत्रालयम पहुंचे, जहां रात्रि विश्राम की व्यवस्था है।

मंत्रालयम में उन्होंने प्रसिद्ध गुरु राघवेंद्र स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की। शुक्रवार को यात्रा शुरू होगी और एक बार फिर कर्नाटक में प्रवेश करेगी। कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर यात्रा में तीन दिन के विश्राम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिवाली के लिए 24 और 25 अक्टूबर को यात्रा नहीं होगी। जबकि 26 अक्टूबर को कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे औपचारिक रूप से कार्यभार संभालेंगे। इसके लिए कांग्रेस मुख्यालय में विशेष समारोह का आयोजन किया गया है।

सरकार पूंजीपतियों का बिजली बिल माफ कर सकती है तो गरीबों का क्यों नहीं: राजभर

» वोट की ताकत से 24 में दिल्ली में लहरायेंगे पीला झंडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजीपुर के सादात में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उनके पास वोट की ताकत है, जो उन्हें मजबूत बना रही है। इसी की बदौलत वह वर्ष 2024 में दिल्ली तक पीला झंडा लहराएंगे।

सरकार पूंजीपतियों का बिजली बिल माफ कर सकती है तो गरीबों का क्यों नहीं? जखनियां विधानसभा के कटया में सावधान रैली में कहा कि 27 अक्टूबर को पटना में समापन के बाद राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल कराने के लिए लखनऊ में डेरा डालूंगा। कहा कि बाबा साहेब ने बिजली के बिल को माफ करने की ताकत दी है, क्योंकि उद्योगपतियों का एक लाख करोड़ बिजली माफ हो सकता है तो घरेलू बिजली बिल क्यों नहीं। भूमाफिया के नाम गरीबों का घर गिराने का विरोध किया। मुख्यमंत्री से मिला तो उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी गरीब व असहाय का भूमाफिया बताकर घर नहीं गिरना चाहिए। कहा कि मैंने सभी को एक समान अधिकार व शिक्षा के लिए मंत्री पद त्याग दिया था।

हमीरपुर के आशीष शर्मा ने थामा कांग्रेस का हाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश गो सेवा समिति के सदस्य एवं समाजसेवी आशीष शर्मा ने दिल्ली में कांग्रेस का हाथ थाम लिया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र जार की अगुवाई में आशीष शर्मा ने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ल के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। इससे पहले आशीष शर्मा का नाम भाजपा की ओर से भी टिकट की लाइन में था, लेकिन भाजपा हाईकमान व स्थानीय नेताओं के चक्रव्यूह के चलते उन्हें टिकट नहीं दिया गया। स्वर्गीय जगदेव चंद ठाकुर के बेटे एवं स्थानीय विधायक नरेंद्र ठाकुर पर ही भरोसा जताकर उन्हें टिकट दिया गया है। इसके बाद आजाद प्रत्याशी के तौर पर विधानसभा चुनाव जीतने की क्षमता रखने वाले आशीष शर्मा पर कांग्रेस पार्टी ने पूरी नजर रखी थी।

फोटो: 4पीएम

श्रद्धांजलि दिवंगत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की आत्मा की शांति के लिए आज 11वें दिन शांति पाठ का आयोजन उनके पैतृक गांव सैफई में किया जा रहा है। इसी क्रम में सपा नेता और अखिलेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे अरविंद सिंह गोप ने सैफई पहुंच कर मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और धरती पुत्र के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

दीपोत्सव में करीब चार घंटे गुजारेंगे पीएम

» एसपीजी ने खींचा प्रधानमंत्री के सुरक्षा का खाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या दौरे को लेकर रामनगरी में सुरक्षा प्रबंध कड़े किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसपीजी भी अयोध्या पहुंच गई है। एसपीजी की टीम ने आज साकेत महाविद्यालय, रामकथा पार्क व राम की पैड़ी स्थल का भ्रमण कर सुरक्षा तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। वहीं एडीजी जोन ब्रजभूषण भी अयोध्या पहुंचे और अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर मंथन किया।

बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अक्टूबर की शाम को अयोध्या आ रहे हैं और दीपोत्सव कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे। उनके आने से पहले उनकी सुरक्षा एजेंसियों ने अयोध्या में डेरा डाल दिया है। इसी क्रम में एसपीजी ने गुरूवार को कार्यक्रम स्थलों का भ्रमण कर सुरक्षा की व्यूह रचना तैयार की। उधर मुख्य मार्ग के दोनों तरफ बैरीकेडिंग का जाल बिछाया जा रहा है। एडीजी जोन ब्रजभूषण, डीआईजी अमरेंद्र सिंह व एसएसपी प्रशांत वर्मा ने भी गुरुवार को दिन भर सुरक्षा प्रबंधों को लेकर मंथन किया। अभी पीएम का मिनट टू मिनट कार्यक्रम नहीं आया है। माना जा रहा है कि पीएम अयोध्या में करीब चार घंटे तक रहेंगे।

मोदी रामलला के आंगन में जलाएंगे दीपक

इस बार दीपोत्सव पर 17 लाख दीपक जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। वहीं भगवान राम का आंगन दीपों से जगमग होगा। भगवान राम के आंगन में 1 लाख दीपक जलाए जाएंगे। प्रधानमंत्री रामलला के आंगन में दीपक जलाकर राम मंदिर के निर्माण कार्य को करीब से देखेंगे। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साल 2017 में अयोध्या दीपोत्सव की शुरूआत की थी। इस बार छठवें दीपोत्सव में 23 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे और नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनते देखेंगे। इससे पहले राम मंदिर के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे पहले 5 अगस्त 2020 को अयोध्या आए थे। उन्होंने राम मंदिर का भूमि पूजन किया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।